अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर

साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग–अध्यात्म–शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2018 श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

प्रेस विज्ञप्ति

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आज प्रातः भव्य योगाभ्यास के साथ कार्यशाला का समारोप

प्रकाशनार्थ, 21 जून। महायोगी गोरखनाथ योग संस्थान द्वारा **'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'** के अवसर पर प्रातः 6.00 बजे से श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में योगाभ्यास सम्पन्न हुआ। योगाभ्यास प्रारम्भ होने से पूर्व साप्ताहिक कार्यशाला के समारोप एवं अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आये योगाभ्यासियों, भक्तों एवं महानगर के प्रबुद्धजनों को सम्बोधित करते हुए **कटक उड़ीसा से आए महन्त शिवनाथ जी** ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयत्न से योग में भारत आज पुनः विश्वगुरु पद पर प्रतिष्ठित हुआ है। गोरक्षपीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ आज जब लखनऊ में आयोजित भव्य योग समारोह में योगाभ्यास कर रहे है इसी समय उनकी परम्परा में हमसभी यहां योगाभ्यास कर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीगोरक्षपीठ को उसका सहभागी बना रहे है। अत्यन्त गौरव के साथ मुझे यह बताने में प्रसन्नता हो रही है कि` इस समय दुनिया के लगभग 192 देश भारत के निर्देशन में 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर योगाभ्यास कर रहे है। 21वीं शताब्दी में भारत के जगत्गुरु बनने की यात्रा का यह एक कदम है। हम भारतीयों के लिए यह अत्यन्त गौरव का विषय है। भारत की सनातन परम्परा और योग ही मानव सभ्यता को बचा सकती है। मनुष्य को सुख और शान्ति का स्थायी मार्ग दिखा सकती है। दुनियां भी अब यह स्वीकार करने लगी है और योग को मिला अन्तर्राष्ट्रीय समर्थन इस बात का प्रतीक है।

योग भारतीय मनीषियों की आध्यात्मिक चेतना का एक ऐसा प्रतिबिम्ब है जिसे प्रत्येक मानव उपासना पद्धतियों के बिना किसी विरोध के स्वीकार कर रहा है। यह शारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक अनुशासन की ऐसी पद्धति है जिसके द्वारा मन और शरीर पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है और अन्ततः सत्य की अनुभूति तथा प्रत्येक प्रकार के बंधनों से पूर्ण मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है। यह साधना पद्धति उतनी ही प्राचीन और सनातन है जितनी की भारतीय संस्कृति की। तथापि महायोगी गुरु गोरक्षनाथ ने इस पद्धति को अपने अनुभव से सर्वजनीय बनाया। गुरु श्री गोरक्षनाथ द्वारा प्रवर्तित योग साधना ने भारत की सनातन परम्परा को और अधिक समृद्ध और मजबूत किया। हमें इस बात पर गर्व है कि हम महायोगी गुरु गोरक्षनाथ की परम्परा के वाहक है। गोरखपुर की धरती से पुष्पित एवं पल्लिव यह योग धारा आज दुनिया के कोने–कोने में पिड़ित मानव को सुख का सुगन्ध पहुॅचा रही है।

महायोगी गोरखनाथ योग संस्थान के प्रभारी/योगाचार्य डॉ0 चन्द्रजीत यादव ने इस अवसर पर अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में 21 जून की तिथि के सन्दर्भ में कहा कि भारत के ऋषि परम्परा के प्रति यह दुनिया की श्रद्धा का दिवस बन गया है। एक प्रश्न यह उठना

स्वाभाविक है कि आखिर 21 जून ही क्यो? योग का उद्देश्य है मनुष्य की शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक ऊर्जा का संयोजन। सामान्यतः ऊर्जा के हमारे तीनों केन्द्र अलग–अलग दिशा में कार्य करते है। तीनों मार्ग का संयोजन से हमारी कार्य की गुणवत्ता एवं क्षमता में वृद्धि होती है। यही स्थिति इस सृष्टि के साथ भी है। इस सृष्टि में ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत **'सूर्य'** है। पृथ्वी पर सूर्य की उपस्थिति जितनी लम्बी रहेगी इस तिथि को सबसे अधिक ऊर्जा की मौजूदगी भी सुनिश्चित करती है। 21 जून वह तिथि है जब सूर्य की उपस्थिति पृथ्वी पर सबसे लम्बी अवधि तक रहती है। इस तिथि पर सूर्य की ऊर्जा पृथ्वी पर सबसे प्रखर रूप से होती है। यही है रहस्य 21 जून की तिथि और योग दिवस की।

निशा की कालिमा छटते–छटते ब्रह्म बेला में आज श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर परिसर में योगाभ्यासियों एवं भक्तों का आना प्रारम्भ हो गया। महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ जी का दर्शन लाभ प्राप्त कर योगाभ्यासी एवं भक्तजन अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित होने वाले योगाभ्यास स्थल की ओर बढ़ने लगे। प्रातः 6.00 दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में योगाभ्यास प्रारम्भ हुआ। मातृ शक्ति के नेतृत्व में महिला योगाभ्यासियों ने अपना आसन जमा लिया था। महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान के योग प्रशिक्षक डॉ0 चन्द्रजीत यादव तथा अन्य योग आचार्यो ने योगासन, प्राणायाम तथा अन्य यौगिक क्रियाओं का अभ्यास कराया। 8 बजे योगाभ्यास का यह भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन सम्पन्न हुआ तथा योगाभ्यासी एवं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।